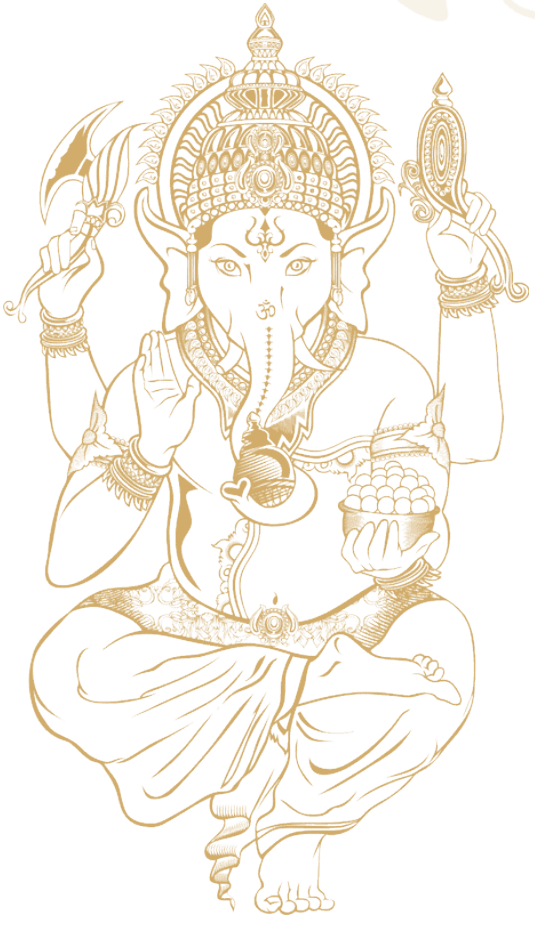

Mr. Anirudh

Ms. Aradhana

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119139402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/09/1993	जन्म तिथि	12/02/1998
बुधवार	दिन	गुरुवार
घंटे 19:56:00	जन्म समय	18:00:00 घंटे
घटी 36:02:03	जन्म समय(घटी)	29:22:43 घटी
India	देश	India
Jaypur	स्थान	Delhi
23:03:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
87:27:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:19:48	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:31:10	सूर्योदय	07:02:28
17:29:38	सूर्यास्त	18:08:37
23:46:26	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:47

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 4वर्ष 3मा 10दि	29:07:07	मेष	लग्न	कर्क	28:43:01	केतु 0वर्ष 9मा 2दि
बुध	12:40:58	कन्या	सूर्य	मक	29:45:29	चन्द्र
09/01/2017	29:46:00	कुंभ	चंद्र	सिंह	11:53:35	15/11/2024
10/01/2034	07:55:10	तुला	मंगल	कुंभ	20:26:20	15/11/2034
बुध 08/06/2019	04:11:01	तुला	बुध	मक	22:17:38	चन्द्र 15/09/2025
केतु 04/06/2020	27:12:48	कन्या	गुरु	कुंभ	08:05:38	मंगल 16/04/2026
शुक्र 05/04/2023	16:00:03	सिंह	शुक्र	धनु	25:29:20	राहु 16/10/2027
सूर्य 10/02/2024	00:31:58	कुंभ व	शनि	मीन	22:35:46	गुरु 14/02/2029
चन्द्र 11/07/2025	10:58:48	वृश्चि व	राहु व	सिंह	16:40:00	शनि 16/09/2030
मंगल 08/07/2026	10:58:48	वृष व	केतु व	कुंभ	16:40:00	बुध 15/02/2032
राहु 25/01/2029	24:27:21	धनु	हर्ष	मक	15:43:39	केतु 15/09/2032
गुरु 03/05/2031	24:36:08	धनु व	नेप	मक	06:41:59	शुक्र 17/05/2034
शनि 10/01/2034	29:51:18	तुला	प्लूटो	वृश्चि	14:01:38	सूर्य 15/11/2034

लग्न-चलित

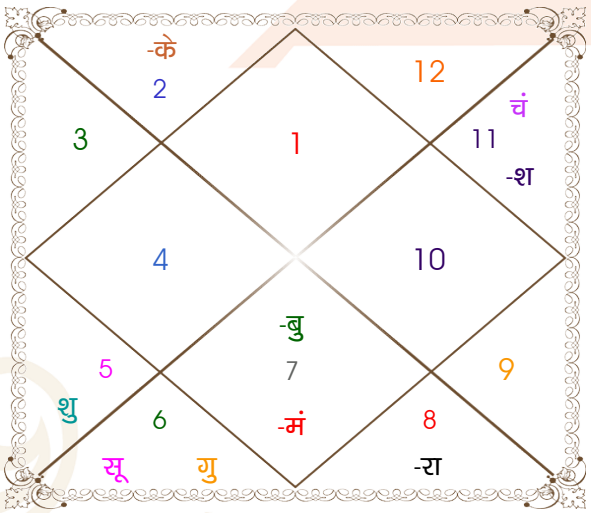

लग्न-चलित

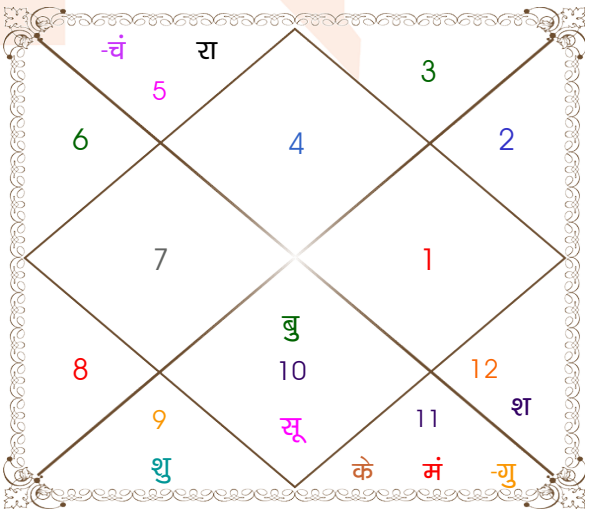

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

डतण् ।दपतनकी का वर्ग सर्प है तथा डेण् ।तंकींदं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण् ।दपतनकी और डेण् ।तंकींदं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण् ।दपतनकी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

डेण् ।तंकींदं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण् ।तंकींदं कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डेण् ।तंकींदं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डतण् ।दपतनकी कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण् ।दपतनकी कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण् ।दपतनकी तथा डेण् ।तंकींदं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।